भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **4296**
दिनांक 18 जुलाई , 2019 / 27 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई अड्डों का निर्माण

4296. श्री दिलेश्वर कामैत:
श्री मागुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) क्या सरकार ने राज्यों के महत्वपूर्ण जिला मुख्यालयों पर हवाई अड्डों का निर्माण की योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में ओंगोले सहित आगामी वर्षों में विभिन्न राज्यों के किन शहरों में हवाई अड्डों के निर्माण का विचार है;
(ग) इस योजना के तहत स्थानों का चुनने हेतु सरकार द्वारा अपनाये गए मापदंड क्या है; और
(घ) इस प्रयोजन हेतु बिहार में किन स्थानों को चिह्नित किया गया है और क्या इस योजना के अंतर्गत सुपौल जिले को भी शामिल किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख) : भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय ने देशभर में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति का निर्माण किया है। इस नीति की तर्ज पर, भारत सरकार ने देशभर में 21 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा स्थापित करने के लिए 'सैद्धांतिक अनुमोदन' प्रदान कर दिया है और ये हवाईअड्डें हैं - गोवा में मोपा, महाराष्ट्र में नवी मुंबई, सिंधुदुर्ग और शिरडी, कर्नाटक में बीजापुर, गुलबर्गा, हसन और शिमोगा, केरल में कन्नूर, पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, ग्वालियर में दतिया, सिक्किम में पाक्योंग, उत्तर प्रदेश में कुशीनगर तथा नोएडा (जेवर), गुजरात में धोलेरा और हीरासर, पुडुचेरी में कराईकल, आंध्र प्रदेश में डागादर्थी, भोगापुरम तथा उरवाकल, अरुणाचल प्रदेश में होलोंगी तथा इटानगर। चार ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे यथा शिरडी, कन्नूर, दुर्गापुर तथा पक्योंग को पहले ही प्रचालनिक कर दिया गया है। भारत सरकार ने देशभर में 6 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों यथा लुधियाना में मचिवाड़ा, झारखंड में जमशेदपुर, राजस्थान में अलवर (भिवाड़ी), तेलंगाना में कोठगुडम, जिला खम्मम, मध्य प्रदेश में सिंगरौली तथा पूणे में पुरंदर की स्थापना के लिए स्थल क्लियरेंस प्रदान की है । इसके अतिरिक्त , भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश के प्रकासम जिले में अंगोले में नए ग्रीनफील्ड हवारईअड्डे के निर्माण के लिए मैसर्स प्रकासम हवाईअड्डा प्रा.लिमिटेड नामक हवाईअड्डा कंपनी को स्थल क्लियरेंस भी प्रदान की गई है। तथापि चूंकि आंध्र प्रदेश सरकार ने अंगोले के समीप ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे की स्थापना के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया था, इसलिए अक्तूबर, 2016 में स्थल क्लियरेंस को वापस ले लिया गया है।

(ग): ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति के अनुसार, नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण के लिए स्थान के चयन के मापदंडों में शामिल हैं – तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सहित निर्धारित प्रारूप में हवाईअड्डा विकासकर्ता द्वारा प्रस्ताव को प्रस्तुत करना, दायित्व मुक्त भूमि की उपलब्धता, राज्य सरकार से आवश्यक सहायता, बहुल-मॉडल सम्पर्कों के माध्यम से सतह पहुंच, समीपवर्ती हवाईअड्डों (यदि 150 किमी के भीतर हैं) का प्रभाव मूल्यांकन, विभिन्न सरकारी एजेंसियों से आवश्यक क्लियरेंस जैसे पर्यावरण क्लियरेंस, सुरक्षा क्लियरेंस, रक्षा विभाग, भारतीय विमानपत्न प्राधिकरण तथा नागर विमानन महानिदेशालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र, आदि।

(घ): भारत सरकार को बिहार में सुपौल में नए हवाईअड्डो के निर्माण के लिए बिहार सरकार या किसी अन्य हवाईअड्डा कंपनी से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****